भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना (बिहार) द्वारा "निर्णय समर्थन प्रणाली (डीएसएस) की जल संसाधन और कृषि प्रबंधन योजना परिचालन में भूमिका" पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन

(दिनांक: 1 नवंबर, 2021; समय: 2:30-4:00 बजे)

भूमि और जल प्रबंधन प्रभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना (बिहार) ने भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आज़ादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत "**निर्णय समर्थन प्रणाली (डीएसएस) की जल संसाधन और कृषि प्रबंधन योजना परिचालन में भूमिका**" शीर्षक पर एक ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन **1 नवंबर**, **2021** को किया। इसका प्रमुख उद्देश्य किसानों, छात्रों, वैज्ञानिकों और अन्य हितधारकों के बीच जल प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रों जैसे जल संसाधन प्रबंधन, बाढ़ और सूखा क्षेत्रों में जल का कुशल प्रबंधन और जल वितरण प्रणाली में डीएसएस के अनुप्रयोग के विभिन्न पहलुओं पर जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम का प्रसारण ज़ूम माध्यम से करते हुए किसानों, वैज्ञानिकों, छात्रों और अन्य हितकारकों के बीच कृषि में डीएसएस के अनुप्रयोग विषय में जागरूकता फ़ैलाने का प्रयास किया गया, जिसमें भारी संख्या में लोगों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।

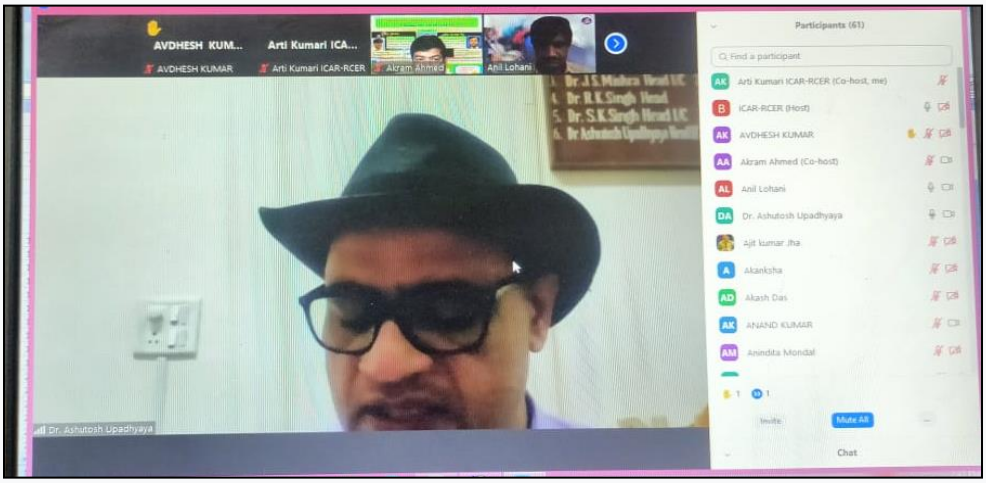

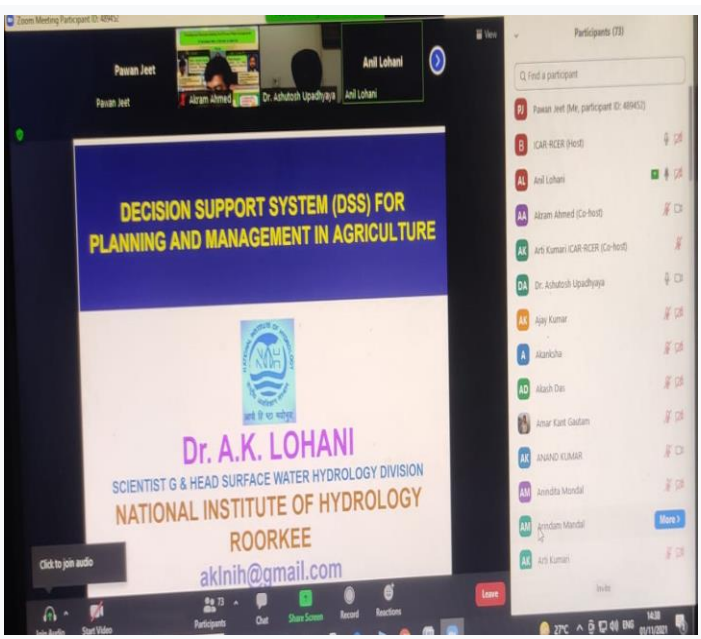

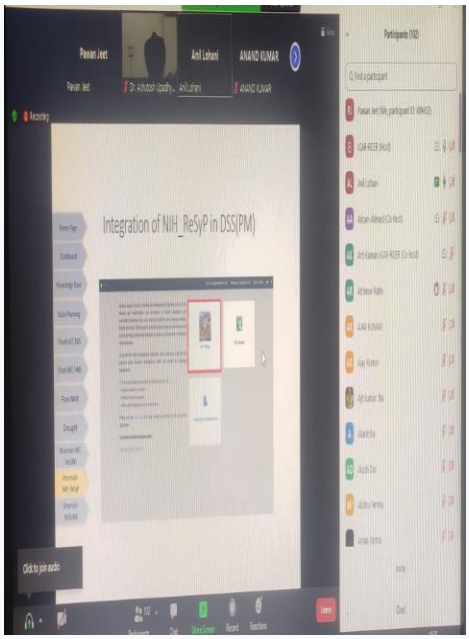

इस कार्यक्रम की शुरुआत, भूमि एवं जल प्रबंधन प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष डॉ० आशुतोष उपाध्याय ने **निर्णय समर्थन प्रणाली (डीएसएस)** का महत्व एवं उसका जल प्रबंधन में योगदान पर प्रकाश डालकर एवं वक्ता डॉ० अनिल कुमार लोहानी की वैज्ञानिक उपलब्धियों से श्रोताओं का परिचय कराकर की और किसानों, छात्रों, और अन्य हितकारकों को प्रोत्साहित करने का सफल प्रयास किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ० अनिल कुमार लोहानी, वैज्ञानिक एच (**राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, रूडकी**) ने कृषि में जल के कुशल प्रबंधन और जल सम्बंधित योजना के सफल परिचालन एवं एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन में निर्णय समर्थन प्रणाली की भूमिका पर विचार व्यक्त कर श्रोताओं को लाभान्वित किया। इसमें प्रतिभागियों के प्रश्नों का उत्तर दिया गया और उनकी शंकाओं का भी समाधान किया गया। यह कार्यक्रम, भूमि एवं जल प्रबंधन प्रभाग के सभी वैज्ञानिकों जैसे इं० आरती कुमारी, डॉ० पवन जीत, डॉ० प्रेम कुमार सुंदरम, डॉ० कीर्ति सौरभ एवं डॉ० वेद प्रकाश के सहयोग से सफलता पूर्वक आयोजित किया गया। अंत में, भूमि एवं जल प्रबंधन प्रभाग के वैज्ञानिक डॉ० अकरम अहमद ने धन्यवाद ज्ञापन किया और कार्यक्रम का समापन हुआ।